बीएसईएस ने लॉन्च किया सोलर माइक्रो ग्रिड, उपभोक्ताओं को मिलेगा बिजली का सामूहिक बैकअप

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने किया उद्घाटन

- भारत और जर्मनी के सौर ऊर्जा पार्टनरशिप प्रोजेक्ट के तहत इसे तैयार किया गया है
- बैटरी में 466 किलोवॉट सौर ऊर्जा स्टोर होगी, जो इलाके के लिए सामूहिक बैकअप का काम करेगी

नई दिल्लीः 10 सितंबर। बीएसईएस ने दिल्ली का पहला सोलर माइक्रो ग्रिड लॉन्च किया है। यह सोलर माइक्रो ग्रिड 100 किलोवॉट सौर ऊर्जा कर उत्पादन करेगा और इसकी विशालकाय लिथियम इऑन बैटरी में 466 किलोवॉट सौर ऊर्जा स्टोर की जाएगी। बैटरी में स्टोर की गई सौर ऊर्जा इलाके के लोगों के लिए सामूहिक पावर बैकअप के तौर पर काम करेगी। बिजली के पारंपरिक ग्रिड या नेटवर्क में खराबी आने की स्थिति में, इस बैटरी में स्टोर की गई सौर ऊर्जा से उन्हें बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। साथ ही, बिजली गुल होने की स्थिति में अस्पताल जैसी आवश्यक सेवाओं को भी तत्काल इस बैटरी से बिजली मुहैया कराई जा सकेगी। साउथ दिल्ली स्थित मालवीय नगर के शिवालिक में साढ़े पांच करोड़ रूपये की लागत से यह सोलर माइक्रो ग्रिड तैयार किया गया है।

दिल्ली के माननीय ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने आज इस सोलर माइक्रो ग्रिड का उद्घाटन किया। इस मौके पर डीईआरसी के चेयरमैन जस्टिस शबीहुल हसनैन शास्त्री, डीईआरसी मेंबर डॉ एके अम्बष्ट, जर्मनी के फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी बीएमजेड के सेक्रेटरी श्री नॉर्बट बार्थले, डच गेसेलशाफ्ट फॉर इंटरनेशनल जुसामेनैरबिट यानी जीआईएच के हेड ऑफ एनर्जी डॉ विनफ्राइड डैम, जीआईजेड इंडिया की कंट्री डायरेक्टर डॉ जूली रेवीरे और बीएमजेड की सेक्रेट्री सुश्री फ्लैचबार्थ उपस्थित थीं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बीएसईएस की टीम भी बीएसईएस के डायरेक्टर व ग्रुप सीईओ श्री अमल सिन्हा और बीआरपीएल के सीईओ श्री राजेश बंसल के प्रतिनिधित्व में मौजूद थी।

उपभोक्ताओं को फायदाः

सोलर ग्रिड से एक ओर जहां उपभोक्ताओं को स्वच्छ ऊर्जा मिलेगी, वहीं दूसरी ओर यह उन्हें सामूहिक पावर बैकअप की सुविधा भी देगा। आपातकालीन सेवाओं को और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। यह सोलर ग्रिड इलाके में इन्वर्टर/जेनरेटर आदि की जरूरत को काफी कम करेगा।

जगह की समस्या का बेहतर समाधान

दिल्ली जैसे शहर में जगह की बड़ी समस्या है। ऐसे में सोलर माइक्रो ग्रिड ने जगह की समस्या का एक बेहतर समाधान पेश किया है। उल्लेखनीय है कि इस सोलर ग्रिड के निर्माण में काफी कम स्पेस का इस्तेमाल हुआ है। जमीन से ऊपर खड़े किए गए एक स्ट्रक्चर पर यह सोलर माइक्रो ग्रिड बनाया गया है। इसके नीचे की स्पेस का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग स्टेशन के तौर पर किया जाएगा।

कार्बन उत्सर्जन में कमी

इस एक सोलर ग्रिड से कार्बन उत्सर्जन में 115 टन की कमी आ सकेगी। साथ ही, इससे 30 मीट्रिक टन कोयले को जलने से बचाया जा सकेगा।

डिस्कॉम को फायदा

सोलर माइक्रोग्रिड की बिजली बिजली चूंकि पारंपरिक ग्रिड में भी जाएगी, इसलिए इससे डिस्कॉम के सब–स्टेशनों व ट्रांसफॉर्मरों पर दबाव कम होगा। अगर डिस्कॉम के नेटवर्क पर दबाव कम होगा, तो इससे बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और बढ़ेगी। यदि बड़े पैमाने पर सोलर माइक्रोग्रिड बनाए जाएं, तो इससे पारंपरिक पावर प्लांटों पर से डिस्कॉम्स की निर्भरता भी कम होगी।

जर्मनी के फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी बीएमजेड के सहयोग से, भारत और जर्मनी के सोलर पार्टनरशिप प्रोजेक्ट आईजीएसईपी के तहत, यह सोलर माइक्रोग्रिड तैयार किया गया है। भारत के अक्षय ऊर्जा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में यह मदद कर रहा है। दरसअल, फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी की ओर से डच गेसेलशाफ्ट फॉर इंटरनेशनल जुसामेनारबिट यानी जीआईजेड जीएमबीएच ने भारत सरकार के नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के साथ एक समझौता किया है। अब इसने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड के साथ, दिल्ली में अपनी तरह के पहले अर्बन सोलर माइक्रो ग्रिड सिस्टम का नेटवर्क तैयार करने के लिए एक साझेदारी की है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बीएसईएस के प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस अपने उपभोकताओं के फायदे के लिए एनर्जी एफिशिएंसी, ग्रीन पावर के उपयोग, अत्याधुनिक तकनीकों और बिजली खरीद के स्मार्ट तरीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सोलर माइक्रोग्रिड इसी दिशा में एक कदम है, जिसमें बिजली सेक्टर में बड़े बदलाव लाने की क्षमता है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बीएसईएस प्रवक्ता ने एमएनआरई, बीएमजेड और जीआईजेड की इस पार्टनरशिप के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि यह साझेदारी अपने अपने क्षेत्रों के लीडर्स को एक साथ लेकर आई है और इसके परिणामों से उपभोक्ताओं को काफी फायदा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से, नई चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने तथा अवसरों के बेहतर उपयोग में मदद मिलेगी।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।